किसानों पर कुदरत का कहर : कलेक्टर ने खेतों में उतारी संयुक्त टीम

जल्द आयेगी रिपोर्ट, बामौरी विधायक बोले-मुआवजे में नियमोंके साथ संवेदनशीला भी दिखाए सरकार

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में मंगलवार को हुई अचानक ओलावृष्टि ने अन्नदाता की कमर तोड़कर रख दी है। बेमौसम बारिश और गिरे ओलों ने खेतों में खड़ी गेहूं और धनिया की लहलहाती फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है, जिससे किसानों की चिंताएं गहरा गई हैं। सबसे अधिक प्रभाव %एक जिला-एक उत्पाद% योजना के तहत गुना की पहचान माने जाने वाले धनिया की फसल पर पड़ा है। जिले के दर्जनों गांवों में फसलें आड़ी हो गई हैं और ओलों की मार से फूल व दाने झड़ गए हैं।

इस प्राकृतिक आपदा के बीच बमौरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल ने प्रशासन और सरकार से संवेदनशीलता बरतने की अपील की है। विधायक के अनुसार पाटन, विशनवाड़ा, सलैया, भोंटपुरा, किलामपुर, डोंगरी और फतेहगढ़ क्षेत्र के करीब 25 से 30 गांवों में भारी तबाही हुई है। विधायक ने कहा कि किसान पहले ही खरीफ की फसल खराब होने की मार झेल चुके थे और उन्हें इस रबी सीजन से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अब वे पूरी तरह हताश हैं। उन्होंने मांग की है कि जिन किसानों ने फसल बीमा

कराया है, उन्हें बीमा कंपनी से लाभ दिलाया जाए और जिन्होंने बीमा नहीं कराया है, उन्हें आरबीसी के नियमों के तहत उचित मुआवजा राशि दी जाए। विधायक स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर किसानों की समस्याओं का जायजा ले रहे हैं।

25 फीसदी से ज्यादा फसल खराब तो मिलेगा मुआवजा :

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने भी सक्रियता दिखाई है। उन्होंने स्वीकार किया कि फतेहगढ़ और म्याना क्षेत्रों से ओलावृष्टि के वीडियो और प्रारंभिक सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। कलेक्टर ने कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को तत्काल नुकसान का सर्वे करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन किसानों की 25 प्रतिशत से अधिक फसल प्रभावित हुई है, उन्हें आरबीसी के प्रावधानों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा।

गेहूं का रकबा बढ़ा, धनिया का घटा :

इस साल गुना जिले में गेहूं का रकबा बीते वर्ष की तुलना में 20 हेक्टेयर अधिक रहा है, वहीं जिले की मुख्य पहचान धनिया की फसल को इस ओलावृष्टि से सबसे ज्यादा चपत लगी है। प्रशासन अब नुकसान के सटीक आंकलन में जुट गया है ताकि प्रभावित

किसानों को समय रहते आर्थिक राहत पहुंचाई जा सके।

पाटन पहुंचे विधायक, नजर आई तबाही की तस्वीर :

उधर विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल ने बुधवार को ही अपनी विधानसभा क्षेत्र के ओला प्रभावित गावों का अपने स्तर पर सर्वे किया। सर्वे के दौरान यह दुखद तस्वीर सामने आई कि कई खेतों में %एक जिला-एक उत्पाद% की पहचान रखने वाली धनिया की फसल 100 फीसदी तक खराब हो चुकी है। पाटन के किसान लटूरचंद धाकड़ ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि उनकी धनिया की उपज 75 प्रतिशत से ज्यादा खत्म हो चुकी है। विधायक ने मौके पर ही पुष्टि की कि पाटन, बांसखेड़ी, विशनवाड़ा, भिड़रा, कपासी और उमररदा सहित आधा दर्जन गांवों में ओलों ने भारी तबाही मचाई है। ओलों के साथ चली तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसल भी खेतों में बिछ गई है। विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल ने पुरानी कमियों को उजागर करते हुए कहा कि पूर्व में मक्का की फसल के दौरान भी प्राकृतिक आपदा का उचित मुआवजा नहीं मिल पाया था, और जहाँ फसल अच्छी हुई थी वहाँ किसानों को सही दाम नहीं मिला। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित किसानों को फसल बीमा का लाभ दिलाया जाए। इसके अतिरिक्त आरबीसी के नियम 6-4 के तहत विशेष मुआवजा राशि स्वीकृत की जाए। विधायक ने हताश किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि वे इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से अपील की है कि सर्वे का काम संवेदनशीलता के साथ किया जाए ताकि कोई भी पात्र किसान मुआवजे से वंचित न रहे। अग्रवाल ने दोटूक शब्दों में कहा कि वे प्रभावित किसानों को उनका हक दिलाने के लिए जी-जान लगा देंगे।

उकावद में मवेशियों ने उजाड़ी फसल :

एक तरफ प्राकृतिक आपदा ने किसानों की कमर तोड़ दी तो वहीं जिले की बमौरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत उकावद कला में एक गरीब किसान की मेहनत पर उस समय पानी फिर गया, जब आवारा मवेशियों के झुंड ने महज कुछ ही घंटों में उसके पूरे खेत को उजाड़ दिया। किसान राजू ओझा का डेढ़ बीघा का खेत, जो कल तक फसल से लहलहा रहा था, आज पूरी तरह वीरान और खाली नजर आ रहा है। पीड़ित किसान राजू ओझा ने बताया कि उन्होंने अपने डेढ़ बीघा के छोटे से खेत में बड़ी उम्मीदों के साथ गेहूं, लहसुन और सरसों की फसल बो रखी थी। लगभग आधे बीघा में गेहूं थे और शेष हिस्से में लहसुन व सरसों लगी थी। मंगलवार रात को मवेशियों का एक बड़ा झुंड खेत में घुस गया। सुबह जब राजू खेत पर पहुँचे, तो उनकी आँखों के सामने तबाही का मंजर था। खेत में करीब 100 से ज्यादा मवेशी मौजूद थे, जिन्होंने पूरी फसल इस कदर चराई कि अब वहां सिर्फ मिट्टी दिखाई दे रही है। एक छोटे किसान के लिए डेढ़ बीघा की फसल ही उसके साल भर के गुजारे का आधार होती है। फसल की इस कदर बबार्दी देख राजू और उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने पाई-पाई जोड़कर और दिन-रात मेहनत कर यह फसल तैयार की थी, लेकिन मवेशियों के आतंक ने उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा। पूरा घर उदास है और पीड़ित किसान अब प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। बताया जा रहा है कि मवेशियों का झुंड इस इलाके में घूमता रहता है। बीती रात मवेशी रास्ता भटक गए तो राजू के खेत की तार फेंसिंग रौंदते हुए उसके खेत में घुस गए और कुछ ही घंटों में पूरे खेत को मैदान में तब्दील कर दिया। किसानों के मुताबिक क्षेत्र में आवारा मवेशियों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

एक नजर में

लापता बालक 24 घंटे में अहमदाबाद से दस्तयाब

गुना। नाबालिगों की तलाश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विजयपुर थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य किया है। पुलिस टीम ने विजयपुर क्षेत्र से लापता हुए एक 13 वर्षीय बालक को मात्र 24 घंटे के भीतर गुजरात के अहमदाबाद से सुरक्षित ढूंढ निकाला और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना के अनुसार, 25 जनवरी 2026 को विजयपुर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बालक घर से अचानक लापता हो गया था। बालक की मां ने 26 जनवरी को थाने पहुँचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपराध क्रमांक 07/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर बालक की तलाश शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मान सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी रितुराज सिंह कुशवाह ने टीम गठित कर जांच तेज की। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र का प्रभावी उपयोग किया, जिससे सटीक जानकारी मिली कि बालक गुजरात के अहमदाबाद में है।

पशु चिकित्सालय में एंटी रेबीज शिविर 31 को

गुना। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जिले के पशुपालकों और उनके पालतू पशुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। शहर के हाट रोड स्थित जिला पशु चिकित्सालय में आगामी 31 जनवरी 2026 को एक विशेष नि ल्शुल्क पशु चिकित्सा एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यूजीसी के खिलाफ सवर्ण आमी का हल्ला बोल

केंद्र सरकार के निर्णय का पुरजोर विरोध, जगह-जगह कर रहे है विरोध

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के हृदय स्थल हनुमान चौराहे पर आज शिक्षा व्यवस्था में बदलाव को लेकर भारी जनाक्रोश देखने को मिला, जहाँ सवर्ण आर्मी के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

नगरपालिका के समीप आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के नए और प्रस्तावित प्रावधानों को बच्चों के भविष्य के लिए %जहर% समान बताते हुए केंद्र सरकार के निर्णय का पुरजोर विरोध किया गया। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह नारेबाजी से गूँज उठा, जिसमें युवाओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं का कहना था कि वे किसी राजनीति के लिए नहीं,

बल्कि अपने बच्चों के भविष्य को अंधकार में डूबने से बचाने के लिए सड़कों पर उतरी हैं। आंदोलनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर सरकार मंचों से जातिवाद को खत्म करने और देश को न बँटने देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर यूजीसी जैसे संस्थानों के माध्यम से ऐसे कानून थोपे जा रहे हैं जो समाज में भेदभाव की खाई को और गहरा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, ये नए प्रावधान न केवल छात्रों के सुनहरे भविष्य को तबाह कर रहे हैं, बल्कि भारतीय संविधान की मूल भावना और अनुच्छेद 14 द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार का भी खुला उल्लंघन कर रहे हैं। लोगों के बीच व्याप्त गुस्सा उस समय और मुखर हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि सरकार ऐसी विभाजनकारी अवधारणाओं को तुरंत वापस ले।

राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

विरोध प्रदर्शन के अंत में सवर्ण आर्मी ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा, जिसमें मांग की गई है कि यूजीसी द्वारा लागू किए गए तमाम भेदभावपूर्ण प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि यदि शिक्षा व्यवस्था में समानता सुनिश्चित नहीं की गई और इन %काले कानूनों% को वापस नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में यह विरोध प्रदर्शन और भी तीव्र रूप धारण करेगा। फिलहाल, हनुमान चौराहे पर हुए इस प्रदर्शन ने जनता की नाराजगी का स्पष्ट संदेश पहुँचा दिया है।

बसूसली के दबाब पर भड़के पटवारी, सौंपा ज्ञापन

गुना। जिलेभर के पटवारियों ने अब राजस्व वसूली को लेकर बनाए जा रहे अतिरिक्त दबाव के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। प्रांतीय पटवारी संघ भोपाल के बैनर तले एकजुट हुए पटवारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी जाहिर की। पटवारियों का आरोप है कि भू-राजस्व संहिता के नियमों के विपरीत उन पर वसूली का बोझ लादा जा रहा है, जबकि यह प्राथमिक रूप से तहसीलदारों की जिम्मेदारी है।

पटवारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि प्रत्येक पटवारी को 2 से 5 लाख रुपये की वसूली का टारगेट दे दिया गया है। इस दबाव के बीच जमीनी स्तर पर स्थितियां तनावपूर्ण हो गई हैं। हाल ही में नोटिस बांटने के दौरान दो पटवारियों के साथ बदसुलूकी की घटनाएं भी सामने आई हैं। दरअसल, खरीफ की फसल खराब होने के कारण किसान पहले से ही गुस्से में हैं, ऐसी स्थिति

में वसूली के लिए जाने पर पटवारियों को किसानों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से पटवारियों ने आरोप लगाया कि अब तक हुई कुल वसूली में से 60 फीसदी पटवारियों की मेहनत से ही संभव हो पाई है, जबकि यह काम उनका था ही नहीं। पटवारियों ने इस रवैये को %तानाशाहीपूर्ण% करार देते हुए कहा कि तहसीलदारों द्वारा उन पर दबाव बनाना गलत है। उन्होंने मांग की है कि वसूली के दबाव संबंधी इन आदेशों को तत्काल वापस लिया जाए ताकि वे अपने मूल कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। पटवारियों ने अपनी 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट किया कि वे काम के इस अतिरिक्त और नियम विरुद्ध दबाव को अब और सहन नहीं करेंगे। ज्ञापन देते समय पटवारी काफी आक्रोशित नजर आए और उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया गया और वसूली का दबाव कम नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

खेल मैदान के लिए 35 किमी पैदल चला युवक

गुना। क्षेत्र के युवाओं की खेल सुविधाओं और कॉलेज की बदहाली को लेकर प्रशासन व जन प्रतिनिधियों की अनदेखी अब भारी पड़ने लगी है।

मंगलवार को ग्राम बड़ौद के निवासी राजकुमार मीना ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर कुंभराज से चांचौड़ा विधायक प्रियंका मीना के पेंची स्थित कार्यालय तक करीब 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। हाथ में तिरंगा लिए राजकुमार सुबह 9:30 बजे कुंभराज के टेकरी मंदिर से रवाना हुए और शाम 6 बजे अपनी मंजिल तक पहुँचे। यात्रा के दौरान राजकुमार को दो से तीन बार तेज बारिश का सामना करना पड़ा, जिसमें वे पूरी तरह भीग गए, लेकिन उनका उत्साह कम नहीं हुआ। राजकुमार का कहना है कि वे पिछले 6 महीनों से

कुंभराज खेल मैदान में 400 मीटर ट्रैक के निर्माण और कॉलेज की व्यवस्थाएं सुधारने के लिए आवेदन दे रहे थे, लेकिन बार-बार उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा था। शाम को जब राजकुमार विधायक कार्यालय पहुँचे, तो विधायक प्रियंका मीना वहां मौजूद नहीं थीं। ऐसे में उन्होंने अपना आवेदन कार्यालय के मुख्य द्वार पर ही चस्पा कर दिया। राजकुमार ने आवेदन में अपना मोबाइल नंबर भी लिखा है और उम्मीद जताई है कि विधायक उनसे संपर्क करेंगी।

मेरा नंबर ही ब्लॉक कर दिया :

राजकुमार मीना ने विधायक और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि विधायक ने मेरा नंबर ब्लॉक कर रखा है और सरपंच द्वारा मुझ पर दबाव बनाया जा रहा था कि मैं इन मांगों को बार-बार न उठाऊं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ट्रैक निर्माण और कॉलेज की अव्यवस्थाओं को दूर नहीं किया गया, तो वे कुंभराज नगर परिषद परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और तब तक नहीं उठेंगे जब तक विधायक स्वयं आकर ठोस आश्वासन न दें।

पैट्रोल पंप पर मिलावट का आरोप, ग्राहक ने जताई नाराजगी

एक लीटर पैट्रोल में निकला 200 एमएल पानी

मामले में की गई शिकायत की बात

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के कैंट चौराहा स्थित एक पेट्रोल पंप पर उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक ग्राहक ने पेट्रोल में भारी मात्रा में पानी मिला होने का आरोप लगा दिया। कैंट निवासी धर्मेंद्र जाटव ने प्रमाण के तौर पर बोतल में भरा हुआ पेट्रोल दिखाया, जिसकी सतह पर पानी साफ तौर पर अलग नजर आ रहा था। पीड़ित के अनुसार, पेट्रोल की गुणवत्ता में इतनी भारी गिरावट है कि 1 लीटर पेट्रोल में करीब 200 एमएल पानी

की मिलावट दिखाई दी।

घटनाक्रम के अनुसार, धर्मेंद्र जाटव ने मंगलवार को अपनी मोटरसाइकिल में 1 लीटर पेट्रोल डलवाया था। बुधवार सुबह जब उनके किसी साथी की गाड़ी का ईंधन खत्म हुआ, तो धर्मेंद्र ने अपनी बाइक से पेट्रोल निकालकर उसे देना चाहा। जैसे ही बोतल में पेट्रोल निकाला गया, धर्मेंद्र के होश उड़ गए; पेट्रोल के नीचे पानी की एक मोटी परत जमा थी। धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि पंप द्वारा घटिया और मिलावटी पेट्रोल बेचा जा रहा है, जिससे वाहनों के इंजन खराब होने का खतरा है। इस मामले की शिकायत लेकर पीड़ित कैंट थाने भी पहुँचा। वहीं, इस पूरे विवाद के बाद पेट्रोल पंप संचालक ने अपनी गलती को परोक्ष रूप से स्वीकार करते हुए धर्मेंद्र को दूसरा पेट्रोल उपलब्ध करा दिया। पंप मालिक का तर्क था कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण टैंक में रिसाव या किसी तकनीकी वजह से पानी मिल गया होगा। हालांकि, ग्राहकों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि क्या बारिश का बहाना बनाकर उनकी मेहनत की कमाई और वाहनों की सुरक्षा के साथ समझौता किया जा रहा है? फिलहाल, बोतल में पेट्रोल और पानी का मिश्रण चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन से पेट्रोल पंपों की नियमित जांच की मांग कर रहे हैं।

त्यौहार **कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष ने की शिरकत**

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस, बच्चों ने दी प्रस्तुति

नवभारत न्यूज

कुंभराज। नगर परिषद तहसील प्रशासन और कृषि उपज मंडी समिति के संयुक्त आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह हुआ संपन्न नगर परिषद अध्यक्ष श्री मति शारदा देवी साहू ने ध्याजरोहण किया दीप प्रजलन में शारदा देवी साहू उपाध्यक्ष विक्रम सिंह मीणा तहसीलदार सुनील वर्मा नगर पंचायत अधिकारी मंडी सचिव मंडल अध्यक्ष रोहित कासट महामंत्री मनीष शिवहरे शामिल हुए रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई सर्वप्रथम पुरस्कार प्रथम पुरस्कार

मदर इंपैक्ट द्वितीय पुरस्कार शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय तृतीय पुरस्कार शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय को मिला शिक्षा स्वास्थ्य राजस्व मंडी पुलिस अध्ययन की नगर परिषद और सफाई से जुड़े कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मान मिला तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को भी उनके कार्य के लिए सम्मानित किया गया लोकतंत्र सेनानी बृजमोहन मैथिल एवं कैलाश नारायण राजोरिया को सम्मानित किया गया जिन्होंने अकेले 5700 वार रामायण का पाठ किया मुख्यमंत्री संदेश वचन संजय जैन हाई सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य ने किया मंच का संचालन रजनीश रजुरिया एवं मोनिका शर्मा ने किया।

न्यायालय तहसीलदार तहसील गुना नगर जिला गुना म0प्र0

क्रमांक/री-1/2026/941 गुना, दिनांक 27/01/26

विज्ञप्ति प्रकाशन प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कुशमौदा स्थित भूमि सर्वे नं. 353/1 मिन एवं 346/मिन, 353/2 मिन में से रकबा 2400 वर्गफीट भूमि का विक्रय पत्र क्रमांक 10180 दिनांक 09/12/1988 से श्रीमती गायत्री पत्नी नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के द्वारा विक्रेता श्रीमती रचना सिंह पुत्र डॉ. रघुराज सिंह जाति राजपूत नि. वर्गिज का गेट जनकगंज ग्वालियर से क्रय की गई थी। जिसका नामांतरण प्रकरण क्रमांक 76/अ-6/13-14 आदेश दिनांक 22/01/2014 से क्रेता के हित में स्वीकृत हुआ एवं भू-अधिकार पुस्तिका भी प्राप्त की गई थी। किंतु उक्त नामांतरण प्रकरण तत्समय राजस्व अभिलेख में अमल न होने के कारण उक्त भूमि का राजस्व अभिलेख अमल करते हुए क्रेता श्रीमती गायत्री पत्नी नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के फौत होने से उनके स्थान पर आवेदक जयंत भाई घगट पुत्र नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के हित में राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण स्वीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 0499/बी-121/2025-26 से प्रचलित है। आवेदक जयंत भाई घगट पुत्र नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के द्वारा नामांतरण प्रकरण क्रमांक

अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति इस न्यायालय में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक 07 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुति कर सकता है। बाद म्या गुजरने पर की गई आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

(जी.एस. बैरवा)
तहसीलदार, तहसील गुना नगर

न्यायालय तहसीलदार तहसील गुना नगर जिला गुना म0प्र0

क्रमांक/री-1/2026/942 गुना, दिनांक 27/01/26

विज्ञप्ति प्रकाशन प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कुशमौदा स्थित भूमि सर्वे नं. 353/1 मिन एवं 346/मिन 353/2 मिन में से रकबा 2400 वर्गफीट भूमि का क्रय श्रीमती गायत्री पत्नी नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के द्वारा श्रीमती रचना सिंह पुत्र डॉ. रघुराज सिंह जाति राजपूत नि. वर्गिज का गेट जनकगंज ग्वालियर से क्रय की गई थी। जिसका नामांतरण प्रकरण 77/अ-6/13-14 आदेश दिनांक 22/01/2014 से क्रेता के हित में स्वीकृत हुआ एवं भू-अधिकार पुस्तिका भी प्राप्त की गई थी। जिसके आधार पर क्रेता श्रीमती गायत्री पत्नी नारायण शंकर घगट नि. के द्वारा उक्त भूमि की वसीयत अपने पुत्र जयंत भाई घगट पुत्र नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के हित में संपादित की गई।

आवेदक जयंत भाई घगट पुत्र नारायण शंकर घगट नि. ग्राम कुशमौदा के द्वारा नामांतरण प्रकरण क्रमांक 77/अ-6/13-14 आदेश दिनांक 22/01/2014 तत्समय राजस्व अभिलेख में अमल न होने के कारण उक्त भूमि का राजस्व अभिलेख में अमल करते हुये आवेदक की माता श्रीमती गायत्री पत्नी नारायण शंकर घगट नि. द्वारा आवेदक के हित में संपादित वसीयत के आधार पर नामांतरण आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जो न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 114/बी-121/2025-26 से प्रचलित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति इस न्यायालय में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक 07 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुति कर सकता है। बाद म्या गुजरने पर की गई आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

(जी.एस. बैरवा)
तहसीलदार, तहसील गुना नगर